

जीआईएस लैब

चर्चा में क्यों?

20 नवंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने प्रदेश के 11 ज़िलों में हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (HARSAC) द्वारा स्थापित जीआईएस लैब का उद्घाटन किया।

प्रमुख बंदि

- पहले चरण में जनि 11 ज़िलों में एचएआरएसएसी द्वारा प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं, उनमें अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पानीपत, सोनीपत, रेवाड़ी, नूंह, भिवानी, फतेहाबाद और पलवल ज़िले शामिल हैं।
- दूसरे चरण में प्रदेश के सभी ज़िलों में भौगोलिक सूचना प्रणाली प्रयोगशालाएँ (जीआईएस लैब) स्थापित की जाएंगी।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं की नगिरानी सैटेलाइट के माध्यम से की जा सकेगी और इन प्रयोगशालाओं में सभी विभागों से संबंधित आँकड़े उपलब्ध रहेंगे। आम आदमी आसानी से इसकी जानकारी प्राप्त कर सकेगा।
- उन्होंने कहा कि एचएआरएसएसी द्वारा बनाई जा रही इन प्रयोगशालाओं में उपग्रह छवियों का उपयोग करके डाटा एकत्र और संरक्षित किया जाएगा।
- प्राप्त आँकड़ों का पूरा विवरण, जैसे- संपत्ति के मालिक का नाम, संपर्क नंबर, संपत्ति का क्षेत्र, आवासीय या वाणिज्यिक क्षेत्र से संबंधित संपत्ति की स्थिति दर्ज की जाएगी। साथ ही, संपत्ति का स्थान और क्षेत्र में उपलब्ध सार्वजनिक सुविधाएँ भी आसानी से सुलभ होंगी।
- सैटेलाइट के ज़रिये अधिकृत और अनधिकृत कॉलोनियों की आसानी से पहचान भी की जा सकती है। संपत्ति खरीदते समय भी लोगों को पता चल जाएगा कि वह संपत्ति अधिकृत क्षेत्र में है या नहीं।
- लैब में राजस्व, सचिवाई, शहरी स्थानीय निकाय, कृषि एवं कृषि कल्याण, विकास एवं पंचायत, पुलिस एवं शिक्षा विभाग सहित सभी विभागों से संबंधित डाटा एकत्र किया जाएगा।